

Publication: Dainik Bhaskar

Date: 16/09/2013

Edition: Indore

Page No: 15

Headline: Smartphone a study gadget for 75% students

75 फीसदी स्टूडेंट्स के लिए स्मार्टफोन बना स्टडी गैजेट

CITY SURVEY

शहर के 100 स्कूलों के स्टूडेंट्स की डिजिटल हैबिट्स पर सर्वे। ज्यादातर स्टूडेंट्स का स्मार्टफोन पर इंटरनेट एक्सेस स्कूल सबजेक्ट्स की रिसर्च के लिए।

• सिटी रिपोर्ट इंडोर

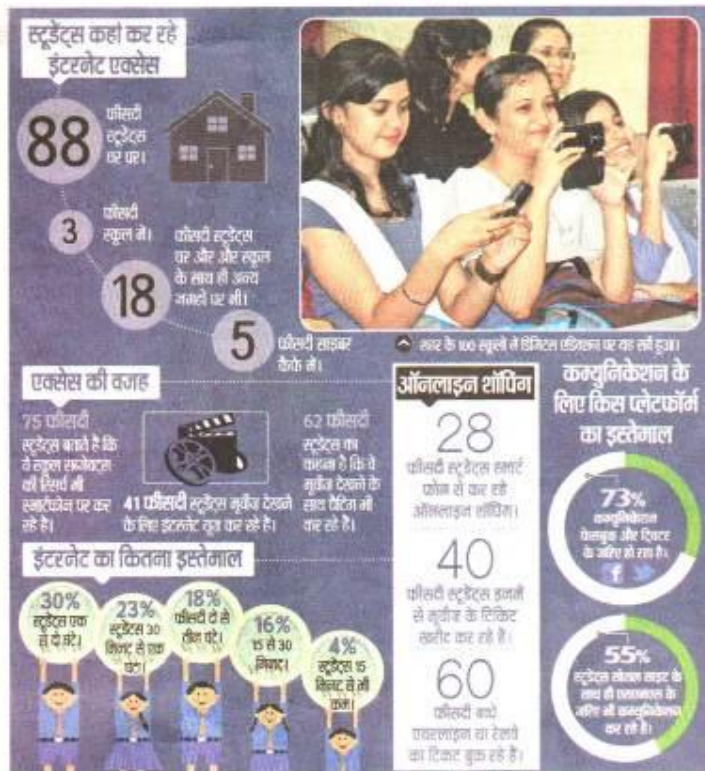
शहर के स्कूलों में पढ़ रहे 60 फीसदी स्टूडेंट्स के पास स्मार्टफोन है। तीन चौथाई स्टूडेंट्स के लिए उनका स्मार्टफोन स्टडी गैजेट की तरह है। 73 फीसदी स्टूडेंट्स का कहना है कि वे सिर्फ चैटिंग के लिए नहीं, बल्कि स्कूल सबजेक्ट्स की रिसर्च के लिए भी इंटरनेट एक्सेस कर रहे हैं। इंडोर के 100 स्कूलों की 8वीं से 12वीं कक्षा में पढ़ रहे 1200 स्टूडेंट्स पर हुए सर्वे के परिणाम आंकड़े मिले हैं। टैमोएस ने छह महीने की अवधि तक 'जेन-काप सर्वे: डिजिटल हैबिट्स ऑफ स्कूल स्टूडेंट्स' किया था। देशभर के 12 शहरों में 1660 स्कूलों के तर्कबोधन 17 हजार स्टूडेंट्स पर यह सर्वे हुआ। देशभर की सर्वे रिपोर्ट जून में जारी की गई, जबकि इंडोर के स्कूलों वाले पर हुए सर्वे के आंकड़े हाल ही में जारी किए गए हैं। आंकड़े बताते हैं कि स्मार्टफोन का इस्तेमाल सिर्फ चैटिंग के लिए नहीं, बल्कि रिसर्च के लिए भी हो रहा है।

स्मार्टफोन से टैबलेट अनी पीछे

सिटी भ्रमण को मिला इंडोर में हुए सर्वे की रिपोर्ट कहती है शहर के 60 फीसदी स्टूडेंट्स के पास स्मार्टफोन है, लेकिन टैबलेट का इस्तेमाल सिर्फ 35 फीसदी स्टूडेंट्स ही कर रहे हैं। पंडीइड ऑपरेटिंग सिस्टम वाले स्मार्टफोन्स फिट हैं, लेकिन शहर के 35 फीसदी स्टूडेंट्स ही इनका इस्तेमाल कर रहे हैं। 60 फीसदी स्टूडेंट्स विंडोज ऑपरेटिंग प्लेटफॉर्म वाले स्मार्टफोन का इस्तेमाल कर रहे हैं।

सबसे ज्यादा इस्तेमाल रिसर्च के लिए

चैटिंग एडिक्शन के बजाय 8वीं से 12वीं के 75 फीसदी स्टूडेंट्स ने कहा कि वे स्मार्टफोन्स पर इंटरनेट का इस्तेमाल स्कूल सबजेक्ट्स की रिसर्च के लिए



एक्सेप्टर्स व्यू

डिजिटल एडोपशन के लिए सर्वे

इस स्टडी से स्कूल जगह जगहों के डिजिटल एडोपशन के अंकुश हाने पता चले। यह पाया गया कि इंडोर जैसे मिली मिलाई के स्टूडेंट्स डिजिटल हैबिट्स के मामले में लेटो सिटीज के बच्चों से पीछे नहीं हैं। उपरोक्त कम्युनिकेशन के लिए वे फोन कॉल के बजाय संलग्न गेटवॉयन एप्लेट्स का ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं। देशभर के आंकड़े हमारे गुण में जारी किए थे। इंडोर में इनकी 100 स्कूलों में सर्वे किया। इसका एनालिसिस अब किया है।

- प्रदीपता बागचौ, हेड, ग्लोबल कम्युनिकेशन, टैमोएस

क्यूआर कोड से पढ़ रहे किताबें

हाल ही में एक दिन सल्टे बरिडा के बाद अगले दिन स्कूल बंद रखने की सूचना हमें रात 9:30 मिली। हमने स्कूल के पेशबुक पेज पर यह सूचना डाल दी। किताबों में ही स्टूडेंट्स को पता चल गया कि कल स्कूल बंद होगा। सोला मीडिया की दासिना है कि इसमें कम्युनिकेशन प्रो और फलत है। डिजिटल हैबिट्स के फायदे भी हैं। स्टूडेंट्स अब स्कूल लाइब्रेरी से मिलाने वाली बुक के बजाय क्यूआर कोड स्कैन कर एक्टफोन्स से ई-बुक पढ़ रहे हैं। स्मार्टफोन उनके लिए विशिष्ट तैर पर लड़ी गैजेट है। ऑनलाइन बुक पढ़ने के लिए स्कूलों के अंदर बर्डफाई कनेक्टिविटी है। इससे फायदा वह हुआ है कि टेकने डिजिटल एडोपशन के कारण स्टूडेंट्स स्कूल जाय पसंद कर रहे हैं।

- दिलीप वासु, प्रिंसिपल, पेंडुबल इंटरनेशनल स्कूल

Publication: Dainik Bhaskar

Date: 31/08/2013

Edition: Indore

Page No: 19

Headline: Twitter competition is IT Wiz

IT QUIZ आईटी क्विज़ में ट्विटर अपडेट्स से मुकाबला

शुक्रवार को यूनिवर्सिटी ऑडिटोरियम में हुए क्विज़ में अलग-अलग स्कूलों की 622 टीमों ने हिस्सा लिया।

• सिटी रिपोर्टर इंदौर

क्विज़ के लिए जहाँ पार्टिसिपेंट्स आईटी से जुड़े सवालों के जवाब दे रहे थे, वहीं ऑडियंस में से कुछ स्टूडेंट्स लगातार अपने स्मार्टफोन और टैबलेट से सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर इवेंट्स के अपडेट्स दे रहे थे। मौक़ा था शुक्रवार को

यूनिवर्सिटी ऑडिटोरियम में हुई क्विज़ 'स्मार्ट टेक क्विज़ार्ड' का। इसमें मुश्किल सवालों के जवाब देकर सभी टीमों को पीछे छोड़ने वाली टीम ने विनर का खिताब जीता। मैक्सिमम रूबीट्स करने के लिए भी प्राइज़ दिए गए। भोपाल का सागर पब्लिक स्कूल क्विज़ विनर रहा।

प्रिलिमिनरी राउंड में 1244 स्टूडेंट्स शामिल थे। इसमें वर्नाल, पिक्चर और ऑडियो विजुअल फॉर्मेट के 20 सवाल थे। इसके बाद टेटा कलाउड्स, बिग डेटा विजुअलाइजेशन, इंटरनेट ऑफ़थिंग्स और पिन टेस्ट राउंड्स हुए। इसमें 8

वी से, 12वीं तक के स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। 622 टीमों में से छह टीमों को सेमीफाइनल के लिए चुना गया। विनर्स नई दिल्ली में दिसंबर में होने वाले फाइनल्स में हिस्सा लेंगे। क्विज़ टीसीएस की ओर से हुई। कंपनी की क्विज़ हेड रयामला पद्मनाभन ने बताया कि अब तक यह क्विज़ हैदराबाद, बैंगलुरु, अहमदाबाद, चेन्नई, कोयंबटूर और पुणे में हो चुकी है। इंदौर के बाद मुंबई, लखनऊ नागपुर, भुवनेश्वर, कोलकाता, नई दिल्ली और कोच्चि में होगी। क्विज़ मास्टर गिरि सुब्रह्मण्यम थे।

126 ट्वीट

क्विज़ के बीच में ऑडियंस से भी सवाल किए गए। इस टैटल ट्विटर पर सबसे ज़्यादा 126 अपडेट्स देने वाले रहे वाले टिक्कय बबी को पहला और सुधांत विरवर्दी को दूसरा प्राइज़ मिला। बेस्ट पॉरफॉर्मिंग स्कूल लोकमान्य निकेतन को दिया।

▶ आईटी क्विज़ की विनर भोपाल की टीम रही।



ये रहे विनर्स

सागर पब्लिक स्कूल भोपाल के नयुदा नगर और दुर्गा राय विनर रहे। वसु श्रीजाशील पब्लिक अरेडमी, इंदौर के प्रत्युल सगल और सिद्धार्थ शिंदल स्नर अप रहे।